ग्रिम की परी कथा

छोटा चूहा और आलसी बिल्ली

सेवियर पिरोट्टा

चित्र: सेसिलिया जोहानसन

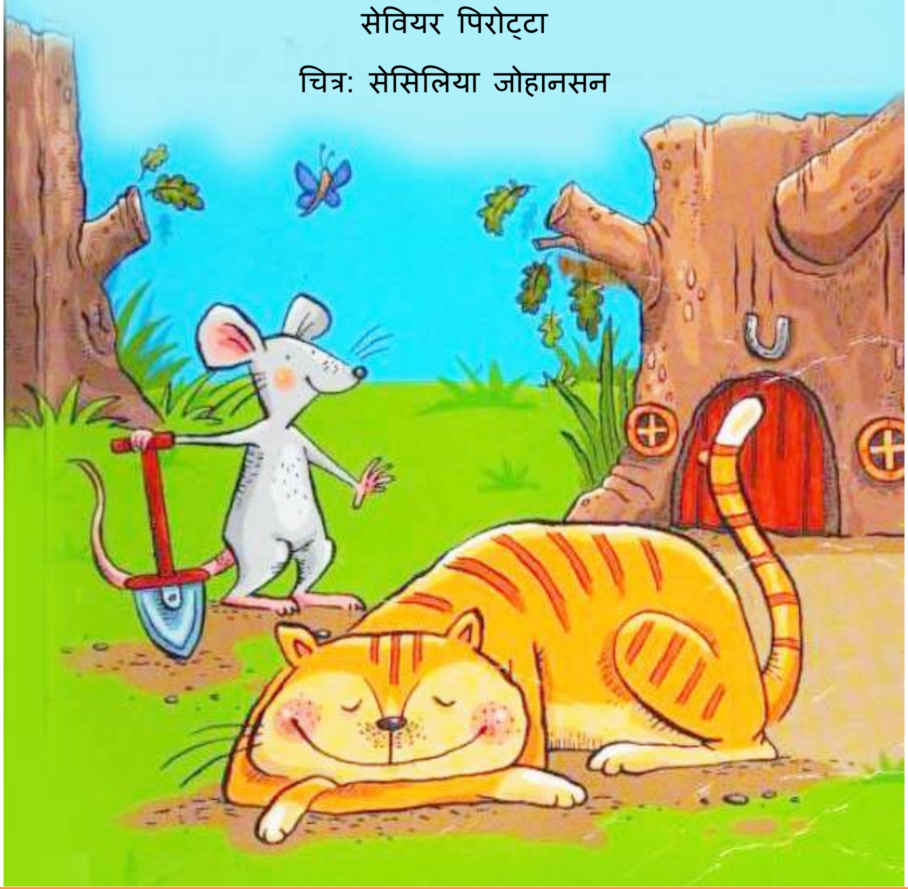

ग्रिम की परी कथा

छोटा चूहा और आलसी बिल्ली

सेवियर पिरोट्टा

चित्र: सेसिलिया जोहानसन

एक चालाक बूढ़ी बिल्ली थी. उसने एक चूहे से दोस्ती की. फिर दोनों ने मिलकर घर बसाने का फैसला किया.

"पहली चीज़ जो हमें करनी चाहिए," बिल्ली ने कहा, "हमें सर्दियों के लिए कुछ भोजन संजोकर रखना चाहिए. क्योंकि जब बर्फबारी शुरू होगी तब बाहर हमें कुछ भी भोजन नहीं मिलेगा. अगर हम पहले से कुछ बचाकर रखेंगे तो हम भूखे नहीं मरेंगे."

चूहा उससे सहमत हुआ. इसलिए उन दोनों ने अपने सारे पैसे गिने और चर्बी का एक बहुत बड़ा बर्तन खरीदा.

"हम इसे कहां छिपाएं?" चूहे ने पूछा.

"चलो इसे चर्च में दफना देते हैं," बिल्ली ने उत्तर दिया, "वहां से उसे चुराने की कोई भी हिम्मत नहीं करेगा."

इसलिए बिल्ली और चूहे ने चर्बी के कीमती बर्तन को चर्च की वेदी के नीचे छिपाकर रख दिया.

फिर चूहा अपने नया घर पूरी तरह से सजाने-संवारने में लग गया.

बिल्ली ने कोई काम ही नहीं किया. उसने बस धूप में आराम किया. चर्च में वेदी के नीचे चर्बी के स्वादिष्ट बर्तन के बारे में सोचकर उसके मुँह में पानी आ गया.

फिर उसने चूहे से कहा, "देखो, कल तुम अकेले ही घर की देखभाल करना? मैंने अभी-अभी अपने चचेरे भाई से सुना है उसके घर में एक नया बिल्ली का बच्चा जन्मा है."

बिल्ली ने आगे कहा, "उसने मुझे अपने बच्चे के नामकरण के लिए बुलाया है. मैं उससे मना नहीं कर सकी - बच्चा भूरे रंग का है और उस पर सफेद धब्बे हैं."

चूहे ने कहा, "अच्छा, तो फिर तुम ज़रूर जाओ."

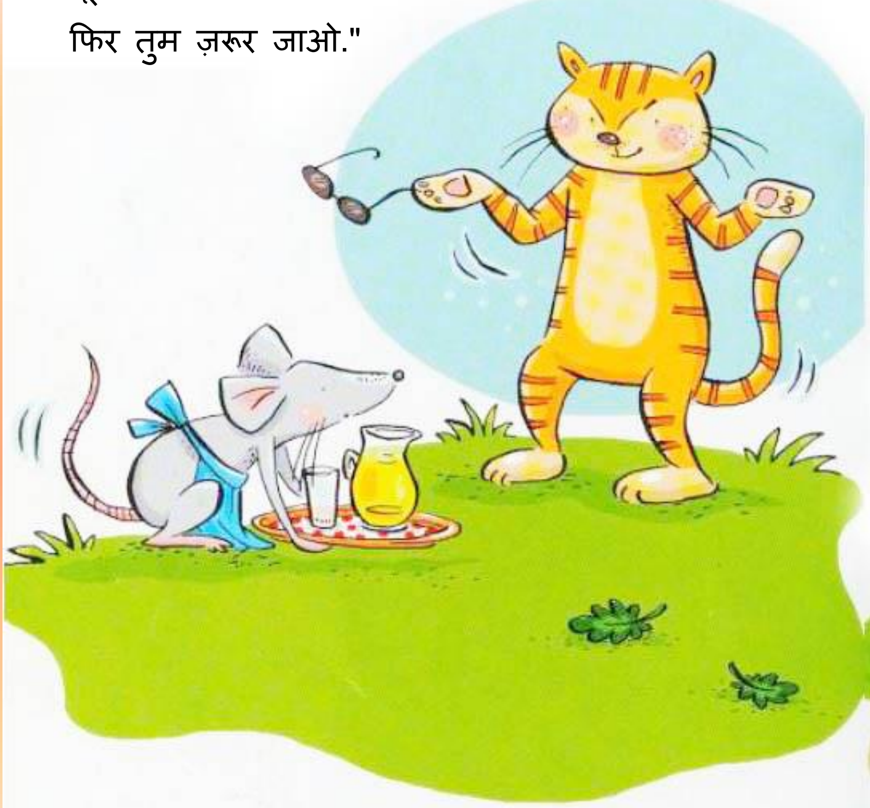

अगली सुबह, बिल्ली सीधे चर्च में गई. बिल्ली ने चूहे से झूठ बोला था क्योंकि उसे किसी नामकरण मे नहीं जाना था. चर्च में पहुंचने के बाद वो वेदी के पीछे रेंगकर गई और उसने चर्बी के बर्तन को खोदा.

फिर लालची बिल्ली ने बर्तन में अपना पंजा डाला और उसने चर्बी चाटी. वाह ... वो कितनी स्वादिष्ट थी.

बिल्ली तब तक खाती रही जब तक कि उसने ऊपर की पूरी परत साफ़ नहीं कर दी.

फिर उसने बर्तन को वापस वेदी के नीचे छिपा कर रख दिया......

...और फिर वो अपने कुछ दोस्तों से मिलने चली गई. वो काफी रात को ही घर लौटी.

"नामकरण में बिल्ली के बच्चे का क्या नाम रखा गया?" चूहे ने पूछा.

"टॉप-ऑफ़," बिल्ली ने कहा। क्योंकि उसके दिमाग में अभी भी चर्बी का बर्तन घूम रहा था.

“कितना अजीब नाम है,” चूहे ने कहा.

"हाँ, सचमुच," बिल्ली ने कहा, और फिर वो बिस्तर पर लेट गई.

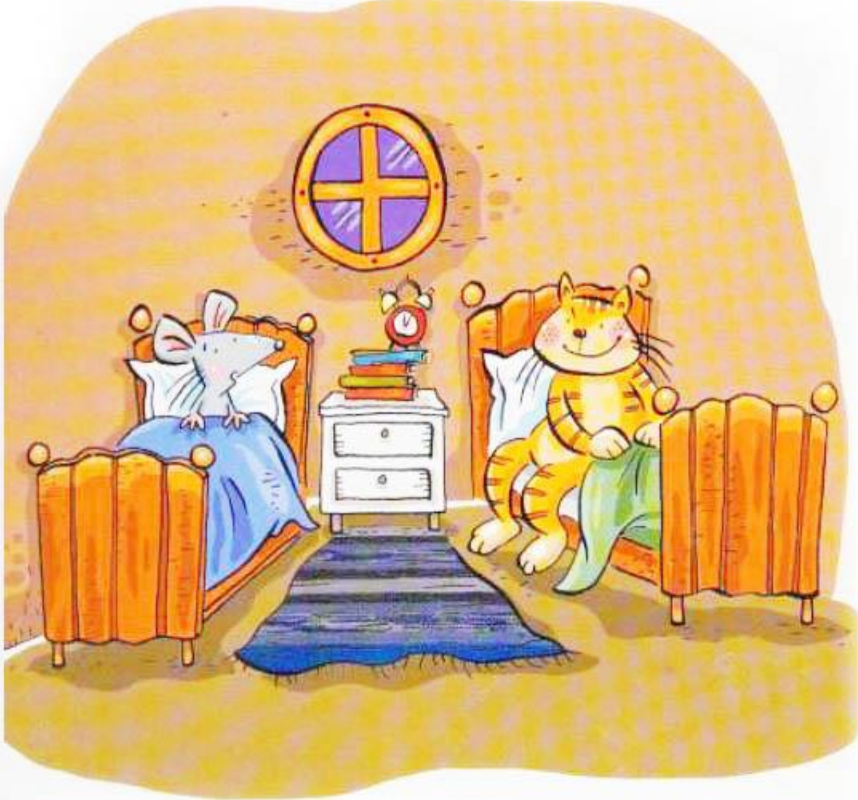

बमुश्किल एक सप्ताह ही बीता होगा कि बिल्ली और अधिक चर्बी खाने के लिए तरसने लगी.

बिल्ली ने एक बार फिर चूहे से कहा, “तुम्हें इस बात पर विश्वास नहीं होगा, लेकिन मेरी दूसरी बहन के घर में भी एक नया बिल्ली का बच्चा जन्मा है. उस समारोह में मुझे बुलाया गया है. नई बिल्ली के बच्चे की गर्दन के चारों ओर एक सफेद रंग की सुंदर पट्टी है. मेरी बहन ने इतना आग्रह किया कि मैं उससे मना नहीं कर सकी."

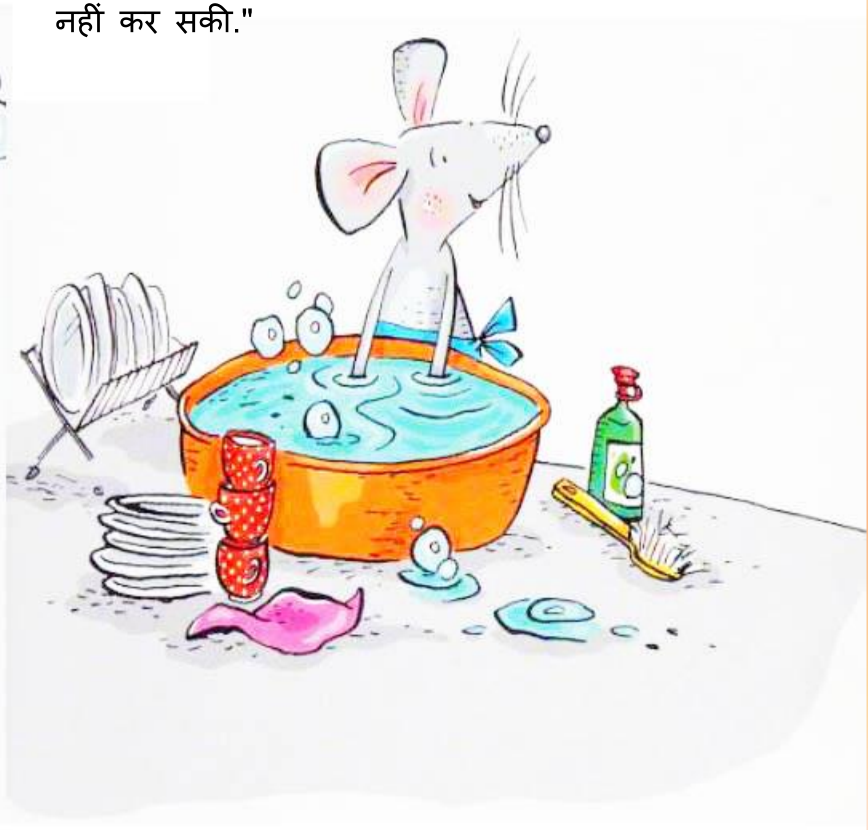

वहां उसने बर्तन खोदा और इससे पहले कि वह खुद को रोक पाती, वो आधी चर्बी सफ़ाचट कर गई. वाह ...वो कितनी स्वादिष्ट थी!

जब बिल्ली और नहीं खा सकी, तो उसने आधा-खाली बर्तन दफना दिया और फिर वो अपने दोस्तों से मिलने चली गई. घर जाने से पहले उसने आकाश में चाँद निकलने तक प्रतीक्षा की.

बिल्ली के चले जाने पर चूहा घर की देखभाल करता रहा. अगले दिन बिल्ली दूसरी बार चर्च की ओर भागी.

"तुम्हारी बहन के नए बच्चे का नाम क्या है?" चूहे ने पूछा.

"आधा-अधूरा," बिल्ली ने उत्तर दिया.

"आधा-अधूरा?" चूहे ने संदेहपूर्वक कहा. "मैंने यह नाम पहले कभी नहीं सुना. मैं अपनी पूँछ की शर्त लगा सकता हूं कि स्वर्ग में इस नाम का कोई संत भी नहीं होगा."

फिर कुछ दिन बीते और बिल्ली फिर से चर्बी के बर्तन के बारे में सोचने लगी. वो बड़ी मुश्किल से सो पाई.

आख़िरकार उसने चूहे से कहा, "ऐसा लगता है कि अच्छी चीज़ें तीन में आती हैं, क्योंकि मेरी एक और बहन ने अभी-अभी एक बिल्ली के नए बच्चे को जन्म दिया है."

बिल्ली ने चूहे से कहा, "उसने मुझे बहुत आग्रह करके बुलाया है. मैं अपनी बहन से मना नहीं कर पाई."

"टॉप-ऑफ़, आधा-अधूरा;' चूहा बुदबुदाया. "वे इतने अजीब नाम हैं, मुझे पता नहीं कि मैं उन पर विश्वास करूं या नहीं. लेकिन तुम जरूर जाओ."

एक बार फिर बिल्ली लपकती हुई चर्च की ओर गई और उसने चर्बी का बर्तन खोदा.

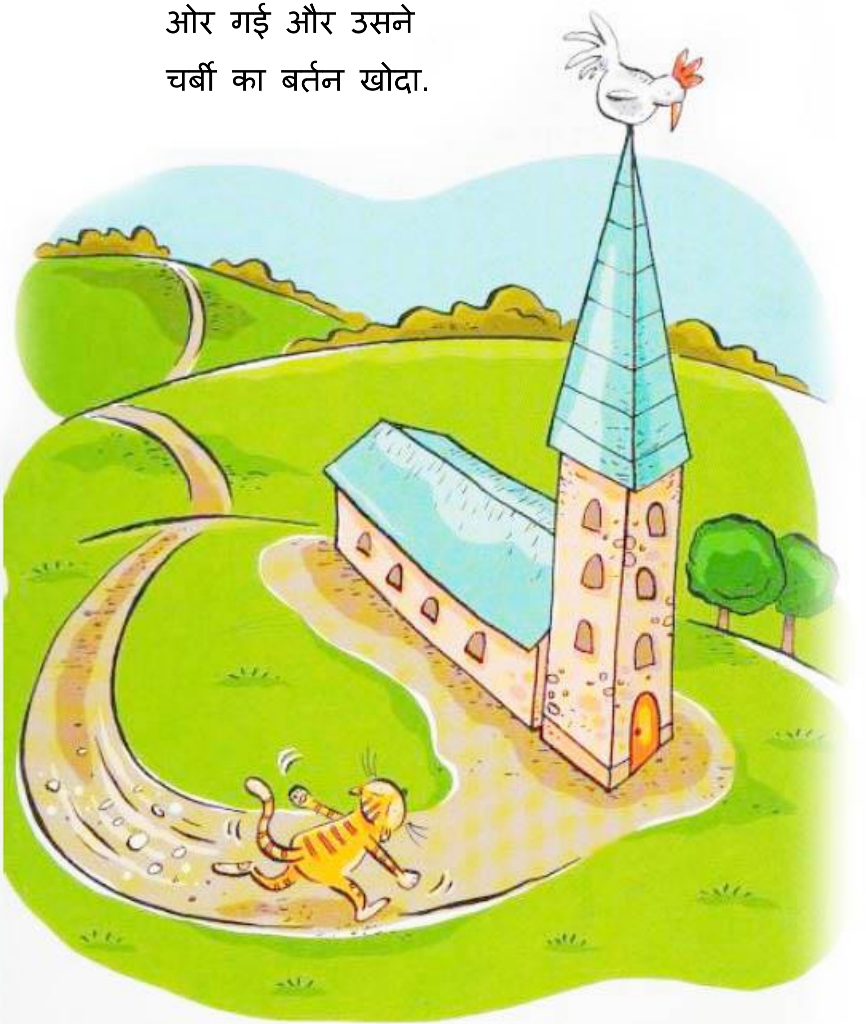

इससे पहले कि आप "मूछें" कह पाएं, उसने सारी चर्बी ख़त्म कर डाली. फिर बिल्ली अपने दोस्तों के साथ जश्न मनाने गई. पहले की तरह, घर लौटने से पहले उसने अंधेरा होने और आकाश तारों से भर जाने तक इंतजार किया.

"और तुम्हारी बहन ने नए बच्चे का क्या नाम है?" चूहे ने सीधे पूछा.

"सब ख़त्म," बिल्ली ने बिना कुछ सोचे-समझे कह डाला.

"यह तो अब तक का सबसे अजीब नाम है!" चूहे ने चिल्लाकर कहा. "मुझे पक्का यकीन है कि तुमने इस नाम को खुद बनाया है, हालाँकि मुझे नहीं पता कि तुमने ऐसा क्यों किया है."

समय बीतता गया और पतझड़ सर्दी में बदल गई. जल्द ही सब कुछ बर्फ से ढंक गया ओर बाहर उन्हें कुछ भी खाना नहीं मिला.

चूहा और बिल्ली बर्तन खोदने के लिए चर्च की ओर चल पड़े. निःसंदेह, बर्तन खाली था.

"अब मुझे पूरी बात समझ में आई!" चूहा गुस्से से काँपते हुए चिल्लाया, "तुम बच्चों के नामकरण समारोह में शामिल होने के बहाने यहाँ बार-बार चर्बी खाने जाती थीं. मुझे यह पता होना चाहिए था कि बिल्ली पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए! पहले "टॉप-अप" फिर "आधा-अधूरा" और अंत में..... "

"सब ख़त्म!" बिल्ली दहाड़ी. फिर बिल्ली उस बेचारे छोटे चूहे पर झपटी और उसे एक ही बार में निगल गई. अरे वाह... कितना स्वादिष्ट!

कभी-कभी जीवन बहुत बदनसीब होता है!

अंत